प्राण प्यारा
स्नेह में सबको ऐसे समाया**
जैसे नैनों में हो नूर समाया**
प्रेम प्यार से जो निहारा**
भूल गयी मै अपना दुःख सारा**
वरदानी हाथ जो रखा सिर पर**
धन्य धन्य हो गयी मै हर पल**
मीठी मुस्कान जो दिखाई लबो पे**
मन नाच उठा उमंग हुल्लास में**
तेरे एक झलक ने बाबा**
दे दिया कई जन्म का सुख सारा**
कर जाओ अब तुम वादा **
मिलता रहूँगा तुम से दुबारा**
ले जाऊगा तुमको भी साथ घर अपने**
हो जाओ करके सब हिसाब कर्मो के**